

डॉ. क्रेग कीनर, अधिनियम, व्याख्यान 4

चमत्कारों की विश्वसनीयता

© 2024 क्रेग कीनर और टेड हिल्डेब्रांट

यह एक्ट्स की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 4 है, चमत्कारों की विश्वसनीयता।

पिछले सत्रों में, हमने ल्यूक और एक्ट्स की कुछ ऐतिहासिक विशेषताओं को देखा है।

ये महत्वपूर्ण हैं क्योंकि हम ऐतिहासिक जानकारी में रुचि रखते हैं, हमें कम से कम कुछ हद तक अधिनियमों की पुस्तक को देखना चाहिए क्योंकि यह एक ऐतिहासिक मोनोग्राफ है। ध्यान रखें कि जब हम ऐतिहासिक जानकारी के बारे में बात कर रहे हैं, तो इतिहास में जो कुछ हम ऐतिहासिक रूप से प्रदर्शित कर सकते हैं उससे कहीं अधिक घटित हुआ है और इतिहासकारों द्वारा लिखे गए पाठ स्वयं साक्ष्य का एक रूप हैं। तो, समस्या यह है कि जब हम पुष्ट साक्ष्य की तलाश में होते हैं, तो वह हमेशा हमारे पास नहीं होता है।

तो जहाँ तक हम ऐतिहासिक दृष्टि से कह सकते हैं, ल्यूक एक बहुत अच्छा इतिहासकार है। ईसाई होने के नाते, हम यहाँ तक कहने के इच्छुक हो सकते हैं, ठीक है, हम उससे भी अधिक कहने के इच्छुक हैं। मेरा मतलब है, अधिनियम हमारे सिद्धांत का हिस्सा है।

हमारा मानना है कि ईसाई होने के नाते भगवान इसके माध्यम से हमसे बात करते हैं। लेकिन मैं जो करने की कोशिश कर रहा था वह यह सर्वेक्षण करना था कि हम अपने पास उपलब्ध ऐतिहासिक तरीकों का उपयोग करके इस तक कैसे पहुंच सकते हैं। लेकिन अब मैं ल्यूक के लेखन की कुछ विशेषताओं पर गौर करना चाहता हूँ।

ल्यूक दो-खंड का काम लिख रहा है, और वास्तव में समानांतर कार्यों की एक शैली थी। प्लूटार्क एक यूनानी विजेता और एक रोमन विजेता, सिकंदर और सीज़र की समानांतर जीवनियाँ लिखता था। तुलनाएँ पूरी तरह से योग्य नहीं थीं।

सीज़र के पास बस कुछ अच्छा प्रचार था। लेकिन किसी भी मामले में, उनके पास अक्सर समानांतर ग्रीक और रोमन जीवनियाँ होती थीं, और यह इतनी लोकप्रिय थी कि कुछ लोगों ने उनकी नकल की रचनाएँ भी लिखीं। पुराने नियम में, आप एलिजा को देखते हैं, और फिर आप एलीशा को एलिजा के कई कार्यों को दोहराते हुए देखते हैं।

उसके लिए आपके पास दो खंड नहीं हैं। आपने यहोशू को मूसा के कुछ कार्यों को दोहराते हुए भी देखा है, जैसे जॉर्डन का विभाजन। यह योम सुफ़, समुद्र के विभाजन जैसा नहीं है, लेकिन फिर भी जॉर्डन के विभाजन जैसा है।

और कभी-कभी उनके बीच साहित्यिक समानताएं भी होती हैं। लेकिन यूनानियों ने इसे काफी हद तक विकसित किया और ल्यूक उस तरह की तकनीक का उपयोग करने में सक्षम है। ऐसा

नहीं है कि वह ऐसी किसी भी चीज़ को छोड़ देता है जिसका कोई समानांतर नहीं है, लेकिन ल्यूक उन समानताओं पर जोर देना पसंद करता है जहां उसे ऐसी सामग्री मिलती है जो उसमें फिट बैठती है।

इसलिए, यह हमें ल्यूक और एक्ट्स को एक साथ पढ़ने में मदद करता है। अब, जाहिर है, लेखकत्व के स्तर पर, बहुत कम प्रश्न हैं। ल्यूक ने दोनों खंड लिखे।

लेकिन समानांतर जीवन के संदर्भ में, ल्यूक की पुस्तक और अधिनियमों की पुस्तक के बीच बहुत सारी समानताएँ हैं। जाहिर है, सेटिंग काफी अलग है। यरूशलेम से शुरू होने वाले दूसरे खंड के अधिकांश भाग के लिए अधिकांश सुसमाचार के लिए ग्रामीण गलील और पूर्वी भूमध्यसागरीय दुनिया के शहरी केंद्र।

लेकिन यह दो खंडों का काम है। और हमारे पास समानांतर जीवन के उदाहरण हैं, यीशु का अभिषेक किया गया है, और वह भाषा विशेष रूप से यीशु के लिए उपयोग की जाती है। यशायाह 61 और ल्यूक 4, और फिर इसे प्रेरितों के काम 10:38 में यीशु के भाषण में फिर से लागू किया गया है। लेकिन साथ ही, चर्च आत्मा द्वारा सशक्त है।

जोएल 2 को अधिनियम 2 में उद्धृत किया गया है। उनके सार्वजनिक मंत्रालयों की शुरुआत में, आपको यीशु के लिए पुराने नियम से एक प्रोग्रामेटिक वक्तव्य मिला है, यशायाह 61, और चर्च के लिए, जोएल 2। आपके पास यीशु के संकेत हैं। उनमें से कई पीटर और पॉल के संकेतों के साथ दोहराए जाते हैं, उदाहरण के लिए, एक लकवाग्रस्त व्यक्ति का उपचार। आपके पास यीशु की तीन परीक्षाएँ हैं।

यह ल्यूक के सुसमाचार में है और केवल ल्यूक के सुसमाचार में है। यीशु की तीन परीक्षाएँ, दो राज्यपाल के सामने, और एक हेरोदेस के सामने। उस मामले में, यह हेरोदेस एंटीपास है।

प्रेरितों के काम के अंत की ओर पॉल के तीन परीक्षण। वास्तव में रास्ते में अन्य परीक्षण भी हैं, लेकिन अंत की ओर तीन परीक्षण हैं, दो राज्यपालों के सामने, और एक हेरोदेस के सामने। इस मामले में, हेरोदेस अग्रिप्पा द्वितीय।

पिता, उन्हें माफ़ कर दो क्योंकि वे नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं। ल्यूक अध्याय 24. और चार सुसमाचारों में से, यह केवल ल्यूक में है।

खैर, एक्ट्स में पहला शहीद कैसे प्रतिक्रिया देता है? हे प्रभु, यह पाप उन पर मत डालो। पिता, यीशु कहते हैं, अपने हाथों में प्रवेश करो। मैं अपनी आत्मा समर्पित करता हूँ।

स्तिफ़नुस, प्रेरितों के काम अध्याय सात में अपने प्रभु के उदाहरण का अनुसरण करते हुए, हे प्रभु, मेरी आत्मा को प्राप्त करो। तो, आपके पास ये समानताएँ हैं। अब, कुछ लोग समानताएँ देखेंगे और कहेंगे, ठीक है, इसे बस बना लेना चाहिए।

हालाँकि, जैसी चीजें, आपके हाथ में आती हैं, मैं अपनी आत्मा को समर्पित करता हूँ। ल्यूक इसका कोई सौदा नहीं करता। ल्यूक को यह बात शायद पता भी नहीं थी, लेकिन हमारे पास इस बात के सबूत हैं कि दिन के उस समय, यह उन प्रार्थनाओं में से एक थी जो यहूदी लोग नियमित रूप से एक भजन से प्रार्थना करते थे जिसमें कहा गया है, मैं अपने आप को तुम्हारे प्रति समर्पित करता हूँ।

तो, वह भाषा यीशु के लिए उपयुक्त होगी। यह यीशु के अपने ऐतिहासिक संदर्भ में फिट बैठता है। और क्या कोई शहीद यीशु के उदाहरण का अनुसरण करना चाहेगा? खैर, आमतौर पर जब हमें सताया जाता है, तो हम आज यीशु के उदाहरण का अनुसरण करने का प्रयास करते हैं।

तो क्यों नहीं? लेकिन किसी भी मामले में, तथ्य यह है कि ल्यूक कनेक्शन पर जोर देता है वह बिंदु है जिसे मैं सामने लाना चाहता हूँ। लंबाई। अक्सर लेखकों ने समरूपता बनाई, लगभग समान लंबाई की किताबें, जब आपके पास कई खंड होते हैं।

वास्तव में, वे अक्सर कुछ निश्चित लंबाई तक ही सीमित थे। यही कारण है कि जोसेफस, जब वह अपने कार्यों में से एक खंड के अंत तक पहुंचता है, तो वह कहता है, उफ़, मेरे पास जगह खत्म हो गई। अगले खंड में आपसे फिर बात करूंगा।

आपको सावधान रहना होगा। आपके पास वॉल्यूम में केवल इतनी ही जगह थी। ल्यूक और एक्ट्स, यदि आप उनमें शब्दों की संख्या गिनें और मैथ्यू के सुसमाचार में शब्दों की संख्या गिनें, तो उनमें से प्रत्येक की लंबाई लगभग एक-दूसरे के समान ही है।

मार्क की लंबाई लगभग आधी है। जॉन की लंबाई लगभग दो-तिहाई है। हम शायद स्क्रॉल की मानकीकृत लंबाई के साथ काम कर रहे हैं और वे बहुत महंगे हो सकते हैं।

पुनः, रोमियों, यह मार्क की लंबाई के बारे में केवल 16 अध्याय है। रोमन, हाल के कुछ विद्वानों द्वारा यह अनुमान लगाया गया है कि पपीरस और मुंशी इत्यादि की कीमत के मामले में रोमन वर्तमान अमेरिकी मुद्रा में लगभग 2,000 डॉलर के बराबर होंगे। हालाँकि रोमियों 16:22 के बाद से वहाँ का मुंशी, टर्टियस, संभवतः एक स्वयंसेवक था, लेकिन वह निश्चित रूप से एक आस्तिक है।

लेकिन गॉस्पेल के मामले में, ये उन लोगों के लिए प्रमुख साहित्यिक उपक्रम हैं जो अभिजात वर्ग का हिस्सा नहीं थे। इसलिए, वे संभवतः मानकीकृत लंबाई के स्क्रॉल का उपयोग कर रहे हैं। और मैथ्यू, ल्यूक और एक्ट्स प्रत्येक सामान्य स्क्रॉल के लिए अधिकतम लंबाई के करीब थे, 32 से 35 फीट के बीच।

एक्ट्स संभवतः लगभग 32 फीट लंबा था। यह उस सातत्य के छोटे सिरे पर था। कुछ लोग सोचते हैं कि अधिनियमों की पुस्तक कुछ स्थानों पर अधूरी है।

मुझे यकीन नहीं है कि मामला यही है, लेकिन कुछ लोगों ने यही तर्क दिया है। इसने निश्चित रूप से पश्चिमी पाठ के शास्त्रियों को अधिनियमों के पाठ का विस्तार करने के लिए प्रलोभित किया।

हालाँकि कुछ लोग सोचते हैं कि ल्यूक ने इसे बाद में जोड़ा, लेकिन मुझे लगता है कि शायद यह बाद की परंपरा थी।

लेकिन किसी भी मामले में, अधिनियमों की पुस्तक का प्रकाशन। खैर, आम तौर पर प्राचीन रचनाएँ लिखे जाने के बाद प्रकाशित की जाती थीं। उनकी दो मूल प्रतियाँ हो सकती हैं।

रात्रिभोज पार्टियों में सार्वजनिक पाठन होंगे। खैर, चर्च में उनका सामूहिक भोज भी हुआ। प्रारंभिक घरेलू चर्चों में प्रभु भोज एक प्रकार का भोज था।

तो, कुछ भोज, मनोरंजन होगा। और मनोरंजन नृत्य हो सकता है, संगीत हो सकता है। आमतौर पर, यह संगीत था, लेकिन यह अक्सर वाचन भी हो सकता है।

इस मामले में, आरंभिक चर्च में मनोरंजन नहीं होगा, लेकिन उनमें पाठन होगा। उनके पास मौजूद धर्मग्रंथों का पाठ, जो कि पुराना नियम था, लेकिन पाठ भी, जैसा कि जस्टिन मार्टियर कहते हैं, प्रेरितों के संस्मरणों से, जिसमें, ठीक है, वह विशेष रूप से स्पष्ट रूप से सुसमाचारों से मिले थे। इन पाठन के दौरान लेखकों को जो फीडबैक मिलता था, उसके कारण वे अक्सर उन्हें संशोधित करने में सक्षम होते थे।

वे कभी-कभी उन्हें विभिन्न संस्करणों में जारी करते थे। और जैसे ही लोगों ने इनके बारे में सुना, जो लोग वास्तव में इन्हें पसंद करते थे वे अन्य प्रतियाँ बना सकते थे। निःसंदेह, आपके पास इनका बड़े पैमाने पर उत्पादन करने का कोई तरीका नहीं था, सिवाय किसी ऐसे व्यक्ति के, जो, आप जानते हैं, हो सकता है कि आपके पास एक ऐसा व्यक्ति हो जो इसे शास्त्रियों से भरे कमरे में पढ़ रहा हो, इसे लिख रहा हो।

वह बड़े पैमाने पर उत्पादन के सबसे करीब था। आमतौर पर, चीज़ें बस एक स्क्रॉल से दूसरे स्क्रॉल में कॉपी की जाती थीं। खैर, अधिनियमों के संभावित उद्देश्यों में से एक कानूनी है, ज़रूरी नहीं कि पॉल के मुकदमे के लिए, बल्कि प्रारंभिक ईसाइयों के पक्ष में लगातार कानूनी मिसालें दर्ज करना हो।

अधिनियमों की पुस्तक के साथ-साथ ल्यूक के सुसमाचार में वर्णित प्रत्येक रोमन अदालत उन्हें दोषी नहीं घोषित करती है। कुछ लोग सोचते हैं कि एक्ट्स पॉल के लिए एक अदालती संक्षिप्त विवरण था। यह शायद अतिरंजित है, लेकिन यह शायद उसी कारण से लिखा गया था जिस कारण से जोसेफस ने यहूदी धर्म के लिए मिसाल कायम की थी, यह तर्क देने के लिए कि ईसाई धर्म को कानूनी होना चाहिए और सताया नहीं जाना चाहिए।

जब आप लूका 21:15 जैसी परिस्थिति में होते हैं, तो आपको मेरे नाम की खातिर राज्यपालों और शासकों के सामने लाया जाता है। आप क्या कहेंगे, इसके बारे में आपको पहले से सोचने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन इससे आपको पहले से ही उपकरण मिल जाएंगे, जिस पर आप चित्र बना सकते हैं। और इसने बाद के ईसाई वकीलों और दार्शनिकों, टर्टुलियन और जस्टिन जैसे लोगों के लिए मार्ग प्रशस्त किया, जो ईसाइयों को सताए जाने के खिलाफ बहस कर रहे थे।

यह हमें क्षमाप्रार्थी उद्देश्य के बारे में बात करने की ओर ले जाता है। यह विभिन्न मोर्चों पर किया गया। रोमन कानून अदालतें, यूनानी दार्शनिक, ग्रामीण एशियाई किसान और यहूदी आपत्तियाँ।

यहूदियों की आपत्तियाँ वास्तव में रोमन कानून अदालतों के लिए भी प्रासंगिक हैं, क्योंकि यह दिखाना महत्वपूर्ण था कि जो लोग उन्हें इन रोमन कानून अदालतों के सामने ला रहे थे, वे उनकी प्राचीन परंपरा के अनुरूप नहीं थे। यह वास्तव में यीशु के अनुयायी थे जो प्राचीन परंपरा के अनुरूप थे। वह एक आंतरिक यहूदी बहस थी।

प्रेरितों के काम की पुस्तक का एक विषय यह है कि इसे कोई नहीं रोक सकता। अधिनियम की पुस्तक में बाधा और निर्बाध शब्द केवल कुछ ही बार दिखाई देता है। मुझे बपतिस्मा लेने में क्या बाधा आ सकती है? अफ्रीकी अदालत के अधिकारी अधिनियम अध्याय 8, या अधिनियम अध्याय 10 में कहते हैं, कौन मना कर सकता है कि वे बपतिस्मा प्राप्त करें? लेकिन प्रेरितों के काम अध्याय 28, श्लोक 31 में, यह इस नोट पर समाप्त होता है कि पॉल ने खुले तौर पर और निर्बाध रूप से सुसमाचार साझा करना जारी रखा।

जब तक आप सामान्य रोमन व्यवस्था के साथ काम कर रहे हैं, न कि तब जब नीरो पागल हो गया था और हर कोई उसे पूरी तरह से अपमानजनक और अत्याचारी मानता था, वे खुले तौर पर और निर्बाध रूप से काम करने में सक्षम थे। इसलिए, यहूदी धर्म से संबंध भी बहुत महत्वपूर्ण था। प्राचीन धर्मों को उनकी उम्र के कारण सम्मान दिया जाता था और यीशु में विश्वास करने वाले यह कहने में सक्षम थे कि पुराना नियम हमारी किताब है और हम यहूदी धर्म की प्रामाणिक आवाज़ भी हैं।

या अधिक सटीक रूप से, वे कहेंगे, हम कानून और पैगम्बरों की प्रामाणिक आवाज हैं। इसलिए, ल्यूक स्वाभाविक रूप से पुराने नियम के उद्देश्यों की पूर्ति पर जोर देता है। वह इसे मैथ्यू की तुलना में थोड़ा अलग तरीके से करता है, लेकिन वे दोनों भगवान के वादों को पूरा करने पर जोर दे रहे हैं।

और निःसंदेह, ल्यूक इसलिए भी लिख रहा है क्योंकि उसे इतिहास की परवाह है। अन्यथा, वह लिखने के लिए इस शैली को नहीं चुनेंगे। ल्यूक एक्ट्स का संदेश।

मैं केवल कुछ विषयों का उल्लेख करने जा रहा हूँ, सभी का नहीं, बल्कि केवल कुछ नमूनों का। ल्यूक-एक्ट्स में प्रार्थना एक बहुत बड़ा मुद्दा था। ल्यूक 1, ल्यूक 3, ल्यूक 5, ल्यूक 6, ल्यूक 9, इत्यादि।

सुसमाचार की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए संकेत और चमत्कार एक प्रमुख विशेषता हैं। हम उस बारे में बाद में बात कर सकते हैं। ल्यूक-एक्ट्स में आत्मा का 70 से अधिक बार उल्लेख किया गया है।

जाहिर है, ल्यूक का आत्मा पर बहुत अधिक जोर है और साथ ही संकेत और चमत्कार दिखाने वाली आत्मा और प्रार्थना आदि में लोगों को प्रेरित करने वाली आत्मा पर भी। इंजीलवाद या गवाह लगभग 30 बार प्रकट होता है। खैर, गवाह शब्द लगभग 30 बार आता है।

इंजीलवाद उससे कहीं अधिक व्यापक है। हाशिये पर पड़ा हुआ। बेशक, ल्यूक के सुसमाचार में यह एक प्रमुख जोर है, गरीबों पर जोर, इत्यादि।

आपके पास अधिनियमों की पुस्तक में कुछ है, लेकिन मुख्य हाशिए पर रहने वाला समूह जिस पर अधिनियमों की पुस्तक में जोर दिया जा रहा है वह गैर-यहूदी है। इसलिए, ल्यूक के सुसमाचार में, यीशु उन पापियों के साथ समय बिताते हैं जो नैतिक रूप से हाशिए पर हैं और फरीसी इसका मजाक उड़ाते हैं। फरीसी इस बारे में शिकायत करते हैं।

आप उस आत्मा के पास आते हैं जो पीटर को सुसमाचार के लिए अन्यजातियों की जरूरतों का जवाब देने के लिए प्रेरित करती है। और प्रेरितों के काम अध्याय 11 में, पद तीन के आसपास, उसके साथी विश्वासियों ने उसे कालीन पर बुलाया है। फरीसियों के साथ समस्या यह नहीं थी कि वे यहूदी थे।

फरीसियों के साथ समस्या यह भी नहीं थी कि वे फरीसी थे। फरीसियों के साथ समस्या यह थी कि कभी-कभी धार्मिक लोगों के रूप में, हमें अपने विचार मिल जाते हैं कि चीजों को किस तरह से किया जाना चाहिए और भगवान हमेशा हमारे दायरे में काम नहीं करते हैं। तो, एक्ट्स में, आपके पास यरूशलेम चर्च के लोग हैं, यीशु में विश्वास करने वाले यहूदी हैं जो पतरस के कार्यों को तब तक अस्वीकार करते हैं जब तक कि वह उन्हें समझाने में सक्षम नहीं हो जाता, ठीक है, देखो, भगवान ने मुझसे ऐसा करवाया है।

इन लोगों पर आत्मा उंडेली गई। परमेश्वर इन लोगों तक पहुंचना चाहता था। हाशिये पर पड़े लोगों पर आपका जोर है।

आपका अंतर-सांस्कृतिक संचार पर भी भारी जोर है। मैं कहूंगा कि प्रेरितों के काम की पुस्तक का मुख्य जोर मिशन पर है। और फिर, यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हम जल्द ही बात करेंगे।

विशेष रूप से, प्रार्थना के मुद्दे के कुछ नमूने मात्र देख रहे हैं। ल्यूक अध्याय एक, पद 10, जकर्याह मंदिर में प्रार्थना कर रहा है। जब ल्यूक 3.21 में आत्मा यीशु पर आती है, तो ल्यूक एकमात्र व्यक्ति है जिसने उल्लेख किया है कि अपने बपतिस्मा के समय, यीशु प्रार्थना कर रहा था।

और हमारे पास यह कई बार है। उनके शिष्यों ने उनसे पूछा, ल्यूक 11, हमें प्रार्थना करना सिखाएं जैसे जॉन ने अपने शिष्यों को सिखाया था। वे उसके समाप्त होने तक प्रतीक्षा करते हैं।

वे इसके बारे में बहुत सम्मानजनक हैं। ल्यूक अध्याय 18, श्लोक एक, लोगों को हमेशा प्रार्थना करनी चाहिए और बेहोश नहीं होना चाहिए। ल्यूक 19.46, प्रार्थना का घर।

लूका 21:36, जागते रहो, और प्रार्थना करते रहो। ल्यूक 22, वह शिष्यों को देखने और प्रार्थना करने के लिए बुलाता है। अधिनियम 1.14, वे पिन्तेकुस्त के दिन की प्रतीक्षा में प्रार्थना में एकत्र हुए हैं।

प्रेरितों के काम 2:42, फिर चले, सब विश्वासी एक साथ प्रार्थना कर रहे हैं। और अधिनियम 3:1, यह प्रार्थना के समय के दौरान है, आपको एक विशिष्ट उदाहरण देता है कि वे एक साथ कैसे प्रार्थना करने जा रहे थे। और फिर भगवान एक चमत्कार करते हैं।

अधिनियम 6, वे उत्तराधिकारी नियुक्त करने से पहले प्रार्थना करते हैं। प्रेरितों के काम 8, श्लोक 22 और 24 में भी, वे आत्मा उंडेले जाने से पहले प्रार्थना करते हैं। प्रेरितों के काम 9:11, शाऊल, पौलुस आत्मा प्राप्त करने और अपनी दृष्टि ठीक करने से पहले प्रार्थना कर रहा है।

अधिनियम 10, अधिनियम 11, अधिनियम 12, इत्यादि। बस प्रार्थना पर बहुत कुछ। प्रेरितों के काम की पुस्तक में यह एक बड़ा विषय है।

दुनिया भर में प्रचार-प्रसार पर भी एक प्रमुख फोकस है। और मुझे लगता है, अधिनियमों में इसी पर प्रमुख जोर दिया गया है। सांस्कृतिक सीमाओं के पार आत्मा-सशक्त सुसमाचार प्रचार, अधिनियम 1:8। अब मैं चमत्कारों के प्रश्न पर आगे बढ़ रहा हूँ।

यह एक बड़ा मुद्दा है। यदि भाषण अधिनियमों की पुस्तक का एक-चौथाई हिस्सा लेते हैं, तो चमत्कार की कहानियाँ और भूत भगाने की कहानियाँ अधिनियमों की पुस्तक का लगभग पाँचवाँ हिस्सा लेती हैं। इसलिए मैंने इस पर खास रिसर्च की।

चमत्कारों पर मेरी दो खंडों वाली पुस्तक वास्तव में मेरी एक्ट्स टिप्पणी का एक हिस्सा मात्र थी। यह मूल रूप से मेरी एक्ट्स कमेंट्री में एक फुटनोट होने वाला था, लेकिन अध्याय लगभग 200 पृष्ठों का होने के बाद, हमें एहसास हुआ कि इसे एक अलग पुस्तक बनाने की आवश्यकता है। और फिर जब किताब आई, तब तक वह 1,100 पेज की हो चुकी थी, और यह और भी अधिक होती अगर मैं इसे प्रकाशित करने के बजाय लिखता रहता क्योंकि इसमें बहुत कुछ है जो आप कह सकते हैं और बहुत सारी सामग्री है जिसके साथ आप काम कर सकते हैं।

लेकिन किसी भी मामले में, प्रेरितों के काम की पुस्तक में रुचि के कारण, मैंने चमत्कारों पर शोध करना शुरू कर दिया, जिसमें यीशु के चमत्कार भी शामिल थे। खैर, स्रोत कितने विश्वसनीय हैं? खैर, हमारे पास इस पर विश्वास करने का अच्छा कारण है क्योंकि हम गॉस्पेल के मामले में प्राचीन जीवनियों या अधिनियमों के मामले में एक प्राचीन ऐतिहासिक मोनोग्राफ के साथ काम कर रहे हैं। स्रोत विश्वसनीय हैं और हम ऐसे स्रोतों से निपट रहे हैं जिनके बारे में हमारे पास यह विश्वास करने का कारण है कि हम स्रोतों से सावधान हैं।

उदाहरण के लिए, ल्यूक जिस तरह से चमत्कारों को संपादित करता है, वह मार्क से लेता है। ल्यूक बहुत सारी नई जानकारी नहीं जोड़ रहा है। वह कह सकता है कि हर किसी ने प्रभु की महिमा की, भले ही मार्क ने ऐसा न कहा हो।

लेकिन मेरा मतलब है, अगर लोग कोई चमत्कार देखते हैं, तो वे क्या करेंगे? कुछ लोग शत्रुतापूर्ण हो गए, लेकिन अधिकांश लोग यदि ईश्वर में विश्वास करते हैं तो वे ईश्वर को धन्यवाद देंगे। तो, यीशु के चमत्कारों को देखते हुए, चमत्कार की कहानियाँ मार्क के सुसमाचार का लगभग एक

तिहाई और अधिनियमों की पुस्तक का लगभग 20% हैं। लेकिन पश्चिम में, हमारे पास एक चक्रीय समस्या है।

शुरुआत में पश्चिमी विद्वानों द्वारा गॉस्पेल और अधिनियमों पर सवाल उठाने का एक कारण यह था कि उनमें चमत्कार संबंधी रिपोर्टें शामिल हैं। खैर, चमत्कारिक रिपोर्टों में क्या खराबी है? पहले पश्चिमी विद्वानों ने कहा था कि प्रत्यक्षदर्शी कभी भी गॉस्पेल जैसे नाटकीय चमत्कारों का दावा नहीं करते हैं। क्या वे सही थे? खैर, दुनिया के कई हिस्सों में लोग कहेंगे, यह बेतुका है।

यह सही नहीं है। यह एक पश्चिमी समस्या है। इसलिए, यदि आप दुनिया के उस हिस्से से हैं जहां आप कहते हैं कि यह बेतुका है, तो कम से कम मैं आपको जो बता रहा हूं वह यह है कि यदि आप कुछ ऐसे लोगों से मिलते हैं जिन्हें पश्चिम में उसी तरह सोचने के लिए प्रशिक्षित किया गया है जिस तरह से पश्चिमी लोग सोचते हैं, तो आपके पास यह होगा उनके लिए कुछ अच्छी प्रतिक्रियाएँ।

और यदि आप पश्चिम में हैं, तो आपको इससे विशेष रूप से लाभ हो सकता है। लेकिन 1800 के दशक में डेविड फ्रेडरिक स्ट्रॉस ने तर्क दिया कि गॉस्पेल में हमारे पास बहुत सारे मिथक और किंवदंतियाँ हैं क्योंकि ये चीजें कई पीढ़ियों के दौरान सामने आएंगी। वास्तव में कोई भी प्रत्यक्षदर्शी इस प्रकार के चमत्कारों का दावा नहीं करेगा।

इन कहानियों को शून्य से या किसी बहुत छोटी चीज़ से विकसित होना था। ज्यादातर लोग स्ट्रॉस के बारे में यह नहीं जानते कि स्ट्रॉस का एडवर्ड मोरिका नाम का एक दोस्त था। मोरिका को रीढ़ की हड्डी में समस्या थी जिसके कारण वह चलने में असमर्थ था।

लेकिन जब मोरिका ने जर्मन लूथरन पादरी जोहान क्रिस्टोफ़ ब्लमहार्ट के साथ कुछ समय बिताया, जो बीमारों के लिए प्रार्थना और भूत-प्रेत भगाने के लिए जाने जाते थे, तो स्ट्रॉस की दोस्त मोरिका ठीक हो गई। स्ट्रॉस को अगला पत्र यह मिलता है कि वह पहाड़ों में पदयात्रा कर रहा है। और स्ट्रॉस एक अन्य पारस्परिक मित्र को एक पत्र लिखते हैं और कहते हैं, ओह, हमने मोरिका को खो दिया है। मोरिका अब अंधविश्वास पर उतर आई है। अब, इस बारे में सोचो। स्ट्रॉस का कहना है कि चमत्कार केवल पौराणिक अभिवृद्धियों से ही उत्पन्न होने चाहिए अन्यथा गॉस्पेल में हमारे पास मौजूद कई प्रकार के चमत्कार केवल मिथक या पौराणिक अभिवृद्धि होंगे। और फिर भी, स्ट्रॉस का अपना एक मित्र ठीक हो गया। चिकित्सकीय निदान के बावजूद स्ट्रॉस ने इसे पूरी तरह से मनोदैहिक कारणों से जिम्मेदार ठहराया। लेकिन स्ट्रॉस ने यह नहीं कहा, ठीक है, यह केवल एक किंवदंती है जिसे विकसित होने में पीढ़ियाँ लग गईं।

क्या आज विश्वसनीय प्रत्यक्षदर्शी रिपोर्टें हैं? आइए पहले कुछ चिकित्सा स्रोतों पर नजर डालें। डॉ. रेक्स गार्डनर ने हीलिंग मिरेकल्स नामक पुस्तक लिखी। और वह खुद एक चिकित्सक हैं।

इनमें से कुछ के बारे में उन्होंने ब्रिटिश मेडिकल जर्नल के लिए भी लिखा था। लेकिन उनका एक अकाउंट नौ साल की बच्ची का है। वह श्रवण तंत्रिका क्षति के कारण बहरी थी।

जब तक उसके पास श्रवण यंत्र नहीं था, वह कुछ भी नहीं सुन पाती थी, लेकिन उपचार के लिए प्रार्थना करती थी। वह तुरंत ठीक हो गई। जिस ऑडियोलॉजिस्ट ने उसके ठीक होने से ठीक एक दिन पहले उसका परीक्षण किया था, उसने कहा, यह असंभव है।

यह श्रवण तंत्रिका क्षति है। यह यूं ही नहीं चला जाता। लेकिन वह तुरंत ठीक हो गई।

ऑडियोलॉजिस्ट ने कहा कि मेरे पास इसके लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं है। यह अविश्वसनीय है क्योंकि अगले दिन के परीक्षणों से पता चला कि उसकी सुनने की क्षमता सामान्य थी। प्रत्यक्षदर्शी, जिनमें से कुछ को मैं जानता हूँ, मोज़ाम्बिक में यीशु के नाम पर बहरे गैर-ईसाइयों के उपचार की रिपोर्ट करते हैं।

लोग उन गाँवों में जायेंगे जहाँ कोई चर्च नहीं है और वे यीशु के बारे में प्रचार करेंगे। वे जीसस फिल्म दिखाएंगे। और कभी-कभी वे लोगों को प्रार्थना के लिए आगे बुलाते हैं और वे ठीक हो जाते हैं।

और कभी-कभी वे सिर्फ यीशु के बारे में प्रचार कर रहे होते हैं। और इससे पहले कि वे अपना उपदेश समाप्त करें, कुछ लोग ठीक होने लगते हैं। और मैंने इसके चश्मदीनों से बात की है।

यह इतना नाटकीय रहा है, विशेषकर बहरेपन के उपचार के मामले में, कि एक पूरा क्षेत्र जिसे गैर ईसाई के रूप में वर्गीकृत किया गया था, अब मुख्य रूप से ईसाई के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इसे कुछ मेडिकल परीक्षणों के साथ प्रलेखित किया गया था। यह जानकारी सितंबर 2010 में संयुक्त राज्य अमेरिका में दक्षिणी मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुई थी।

स्वाभाविक रूप से, कुछ आलोचक जो इस दृष्टिकोण से खुश नहीं थे, उन्होंने विशेष रूप से इंटरनेट पर प्रतिक्रिया व्यक्त की, कि ग्रामीण मोज़ाम्बिक में परीक्षण की स्थिति आदर्श नहीं है। अब जब आप इसे देख रहे हैं तब तक यह भिन्न हो सकता है, लेकिन निश्चित रूप से, कम से कम उस समय जब ये परीक्षण किए गए थे, यह सच है। ग्रामीण मोज़ाम्बिक में परीक्षण की स्थितियाँ आदर्श नहीं थीं।

लेकिन अध्ययन के लेखकों में से एक, इंडियाना विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर ने 2012 में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित एक पुस्तक, टेस्टिंग प्रेयर प्रकाशित की। वह यह नहीं कहती है, ठीक है, ये भगवान द्वारा किए गए चमत्कार थे, लेकिन वह सबूत देती है, अध्ययन के पीछे के कुछ और सबूत। और यह, ठीक है, मुझे लगता है कि यह काफी आश्चर्य करने वाला है।

मुझे लगता है कि यदि आप एक पूर्व पूर्वाग्रह के साथ शुरुआत नहीं करते हैं कि चमत्कार नहीं हो सकते हैं, यदि आप इस संभावना के लिए खुले हैं कि वे भी हो सकते हैं, जो एक तरह से तटस्थ प्रारंभिक बिंदु है, है ना? यदि आप उस संभावना से भी शुरुआत करते हैं, तो आप आश्चर्य हो जाएंगे कि लोग बहरे से सुनने वाले, अंधे से देखने वाले बन गए, जब उनके लिए प्रार्थना की गई, क्योंकि परीक्षण पहले और बाद में दोनों किया गया था। लिसा लारियोस एक अपक्षयी हड्डी रोग से मर रही थी। उसके माता-पिता ने उसे यह भी नहीं बताया था कि वह मर रही है।

वे उसे एक उपचार प्रचारक की बैठक में ले गये। और आप जो भी प्रचारकों के उपचार के बारे में सोचते हैं वह वास्तव में इस मामले में प्रासंगिक नहीं है क्योंकि उपचार करने वाले प्रचारक के पास वास्तव में उसके लिए प्रार्थना करने का मौका नहीं था। लेकिन इस माहौल में जहां लोग प्रार्थना कर रहे थे और उपचार के लिए प्रार्थना करने के बारे में बात कर रहे थे, लिसा लारियोस अचानक अपनी व्हीलचेयर से कूद गई और इधर-उधर भागने लगीं।

ठीक है, आप कहते हैं कि शायद ऐसा था, मनोदैहिक कारणों से, उसके पास बस एड्रेनालाईन का विस्फोट हुआ था, लेकिन वह पहले शारीरिक रूप से ऐसा करने में सक्षम नहीं थी। बाद में उसका परीक्षण किया गया और परीक्षण से पता चला कि न केवल वह बीमारी से ठीक हो गई थी, बल्कि जहां उसकी हड्डियां खराब हो गई थीं, वहां भी उसकी हड्डियां ठीक हो गईं। यह कोई ऐसी चीज़ नहीं है जो स्वाभाविक रूप से अपने आप घटित होती है।

जब ब्रूस वानाटा पर एक अर्ध-ट्रक गिर गया तो वह कुचल गया और उसकी छोटी आंत का अधिकांश भाग नष्ट हो गया। कई सर्जरी के बाद, शायद उनकी छोटी आंत का एक चौथाई हिस्सा बचा हुआ था। और उसकी आंत का जो हिस्सा आवश्यक था, इलियम, उसके लिए केवल 25 सेंटीमीटर बचा था।

यह सामान्यतः 350 सेंटीमीटर है, इसलिए 10% भी नहीं। धीरे-धीरे भूख से मरने के कारण उसका वजन 180 पाउंड से घटकर 125 पाउंड रह गया। लेकिन किसी ने महसूस किया कि उन्हें न्यूयॉर्क में अपने घर से विस्कॉन्सिन के लिए उड़ान भरने और ब्रूस के लिए प्रार्थना करने और अस्पताल में उसके पास आने के लिए प्रेरित किया गया और उन्होंने महसूस किया कि उन्होंने यीशु के नाम पर उसकी छोटी आंत को विकसित करने का आदेश दिया।

और ब्रूस को अपने शरीर में बिजली के झटके जैसा कुछ महसूस हुआ। मेडिकल डॉक्यूमेंटेशन, जो उपलब्ध है, हमारे पास मेडिकल डॉक्यूमेंटेशन है। चिकित्सा दस्तावेज, यह कुछ ऐसा है, जैसा कि आप जानते हैं, आप इसके बारे में सुनते हैं, ठीक है, लोग कभी-कभी कहते हैं, ठीक है, अगर भगवान चमत्कार करता है, तो हमारा कटा हुआ अंग वापस क्यों नहीं बढ़ता? ठीक है, हमारे पास अधिनियमों की पुस्तक या गॉस्पेल में वर्णित उनमें से कोई भी नहीं है, लेकिन यह एक कटे हुए अंग के वापस बढ़ने के बराबर है।

छोटी आंत अपनी पूरी लंबाई की नहीं होती है, लेकिन इसकी पूरी लंबाई सामान्य रूप से कार्य करने के लिए इसकी आवश्यकता से अधिक लंबी होती है। अब यह सामान्य लंबाई से लगभग आधी है। यह पूरी तरह कार्यात्मक है।

इसकी लंबाई 116 सेंटीमीटर से बढ़कर 275 से 300 सेंटीमीटर के बीच हो गई, जो अब तक दोगुनी से भी अधिक हो गई है। एक वयस्क में छोटी आंत चौड़ी हो सकती है, लेकिन अधिक लंबी नहीं हो सकती। तो, यह एक चमत्कार था और इसके लिए कोई अन्य चिकित्सा स्पष्टीकरण नहीं है।

टूटी हुई पीठ का तुरंत उपचार, नाइजीरिया के डॉ. नंबरा ने किया। डॉक्टरों के कई अन्य विवरण, गहरे घाव के घावों का उपचार। मिशिगन में एक अमेरिकी बैपटिस्ट चर्च के सदस्य कार्ल

कॉकरेल का मिसौरी में टखना टूट गया और उन्हें प्लास्टर में डाल दिया गया, और रात भर अस्पताल में रखा गया, ऐसा लगा जैसे भगवान ने उन्हें दर्शन दिए और उन्हें ठीक कर दिया।

तो, मिसौरी में डॉक्टर ने कहा, ठीक है, यदि आप चाहें तो मिशिगन वापस जा सकते हैं। आप स्वयं कार नहीं चला सकते, लेकिन यदि आप चाहें तो आपकी पत्नी कार चला सकती है। लेकिन तुरंत आपको वहां अपने डॉक्टर से मिलने की जरूरत है।

वहां डॉक्टर का अनुसरण किया गया, उन्होंने एक नई रेडियोलॉजी रिपोर्ट बनाई और डॉक्टर ने नई रेडियोलॉजी रिपोर्ट देखी, जो पहली रेडियोलॉजी के आठ दिन बाद ली गई थी, और कहा, ठीक है, न केवल आपका टखना टूटा हुआ है, इससे पता चलता है कि आपका टखना कभी नहीं टूटा है। एक अन्य मामला, जॉय वानीफ्रेड, जिनके पास वर्टिकल हेटरोफोरिया का एक क्लासिक मामला था, वास्तव में इतना क्लासिक, कि यह उनकी तस्वीर थी जिसका उपयोग इस स्थिति का विज्ञापन करने वाले पैम्फलेट पर किया गया था। और फिर भी, जब टेलर विश्वविद्यालय की एक छात्रा उसके लिए प्रार्थना कर रही थी, तो वह वर्षों की इस स्थिति के बाद तुरंत और पूरी तरह से ठीक हो गई।

उसकी एक नाटकीय आध्यात्मिक मुठभेड़ भी हुई थी, और ये चीजें अक्सर होती रहती हैं, लेकिन मैं सिर्फ विषय पर बने रहने की कोशिश कर रहा हूं। मेरी तरह उसे अब चश्मे की जरूरत नहीं रही। अब उसकी दृष्टि 20-20 थी।

वह वर्टिकल हेटरोफोरिया के अन्य सभी मामलों से ठीक हो गई थी। अब, जब मैं आपको मेडिकल दस्तावेज, मेडिकल दस्तावेज देता हूं, भले ही मेरे पास सभी नामों के साथ मूल फॉर्म है, इसे संयुक्त राज्य अमेरिका में उचित माना जाता है, और यह एक कानूनी आवश्यकता भी है, जैसा कि मैं इसे समझता हूं, गोपनीयता से कानून। मैंने चिकित्सकों के नाम छोड़ दिए हैं, लेकिन मेरे पास मूल प्रतियाँ हैं जिनमें जानकारी है।

क्यूबा के एक अन्य डॉक्टर गंभीर रूप से जलने के बारे में मुझसे साझा कर रहे थे कि प्रार्थना के आधे घंटे के भीतर ही हाथ बिल्कुल सामान्य हो गया, जैसे कि वह जला ही न हो। कैथोलिक चर्च ने जिन कई चमत्कारों के बारे में रिपोर्ट दी है, उनके लिए सावधानीपूर्वक चिकित्सा दस्तावेज तैयार किए हैं और कई मामलों में, ये बहुत विश्वसनीय होते हैं। प्रत्यक्षदर्शी की गवाही भी महत्वपूर्ण है, यहां तक कि उन लोगों के लिए भी जो डॉक्टर नहीं हैं।

प्रत्यक्षदर्शी गवाही समाजशास्त्र, मानवविज्ञान, पत्रकारिता, इतिहासलेखन में साक्ष्य का एक रूप है, जो यहां और कानून में बहुत प्रासंगिक है। ऐसी कई चीजें हैं जो हम नहीं कर सकते, अगर हम प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्य का उपयोग नहीं कर पाते तो हम नहीं जान सकते। और चमत्कार इतिहास के भीतर की घटनाएँ हैं, इतिहास के भीतर अनोखी घटनाएँ हैं, वे कोई प्रतिकृति नहीं हैं।

आप उन पर प्रयोग नहीं कर सकते और उन्हें दोबारा नहीं कर सकते। ठीक उसी तरह जैसे कि अगर कोई मर जाता है, तो आप यह देखने के लिए उसे दोबारा नहीं मार सकते कि यह कैसे किया गया। लेकिन आप काफी हद तक चश्मदीनों पर निर्भर रह सकते हैं, और हम आम तौर

पर अन्य चीजों के लिए ऐसा करते हैं, और हमें चमत्कार जैसी घटनाओं के लिए भी ऐसा करना चाहिए।

और मैं अपने साक्षात्कारों या प्रकाशित स्रोतों से कुछ उदाहरण देने जा रहा हूँ जिनके बारे में मेरे पास विश्वास करने का अच्छा कारण है कि वे विश्वसनीय हैं। अब, जब मैं यह कर रहा हूँ, तो ध्यान रखें कि पुस्तक 1,100 पृष्ठ लंबी है। तब से मुझे और अधिक सामग्री मिल गई है, इसलिए ये केवल नमूने हैं।

चिकित्सा दस्तावेज का नमूना लिया गया। ये उदाहरण भी नमूने हैं। लेकिन एक सिद्धांत जिसका मैं पालन कर रहा हूँ वह यह है कि कम संख्या में चश्मदीनों की गिनती बड़ी संख्या में संदेहास्पद गैर-गवाहों की तुलना में अधिक होनी चाहिए।

और हम इसे अधिकांश अन्य प्रकार के दावों पर लागू करेंगे। उदाहरण के लिए, कम से कम मेरी संस्कृति में, यदि कोई यातायात दुर्घटना होती है, तो पुलिस अधिकारी उन गवाहों का साक्षात्कार लेना चाहेगा जो दुर्घटना के समय मौजूद थे। तो, क्या होता है अगर कोई आकर कहता है, ऐसा नहीं हुआ।

मैं जानता हूँ कि ऐसा नहीं हुआ। और अधिकारी कहता है, ठीक है, सर या मैडम, क्या आप मुझे बता सकते हैं कि आपने क्या होते देखा? खैर, मैंने कुछ भी घटित होते नहीं देखा। मैं वहां नहीं था।

इसलिए मुझे पता था कि ऐसा नहीं हुआ। हम इसे बहुत गंभीरता से नहीं लेंगे। हम इसे गंभीरता से क्यों लेंगे अगर कोई कहता है, ठीक है, मुझे पता है कि चमत्कार नहीं होते क्योंकि मैंने कभी कोई चमत्कार नहीं देखा है।

जब हमारे पास, जैसा कि हमें पता चलेगा, लाखों लोग यह दावा करते हैं कि उन्होंने कुछ देखा है, तो क्या हमें कम से कम उनमें से कुछ दावों की खोज शुरू नहीं करनी चाहिए? उनमें से कुछ दावे वास्तविक चमत्कार साबित नहीं हो सकते हैं, लेकिन अगर कुछ ऐसा करते हैं तो क्या होगा? यदि कोई भी दावा वास्तविक चमत्कार साबित होता है, तो हमें चमत्कारों को बहुत गंभीरता से लेना होगा। अब, मैं नहीं चाहता कि आप मुझे गलत समझें। मैं यह दावा नहीं कर रहा हूँ कि जिस किसी के लिए प्रार्थना की गई वह ठीक हो गया।

आप देख सकते हैं कि मुझे मेल पैटर्न गंजापन है। मुझे चश्मा पहनना होगा। और अधिक गंभीर बात यह है कि मैंने और मेरी पत्नी ने गर्भपात का अनुभव किया है।

ऐसा नहीं था कि हमने प्रार्थना नहीं की। ऐसा नहीं था कि हमें विश्वास नहीं था। हर कोई जिसके लिए प्रार्थना करता है वह हर समय ठीक नहीं होता है, लेकिन भगवान कभी-कभी ऐसा करते हैं और कभी-कभी नाटकीय तरीके से ऐसा करते हैं।

कभी-कभी लोगों ने कहा है, ठीक है, आपके पास कोई विश्वसनीय गवाह नहीं है। वह डेविड ह्यूम का तर्क था। कोई भी विश्वसनीय गवाह खोने लायक नहीं था।

मुझे लगता है कि वानसुक और जूली मा को विश्वसनीय माना जाना चाहिए। वानसुक ऑक्सफोर्ड सेंटर फॉर मिशन स्टडीज के निदेशक हैं, जहां जूली भी पढ़ाती हैं। उन दोनों के पास पीएचडी है।

और निःसंदेह, ऑक्सफोर्ड सेंटर फॉर मिशन स्टडीज ऑक्सफोर्ड में है। मैं एक बार ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एक सम्मेलन में इस बारे में बात कर रहा था और एक ब्रेक के दौरान ऑक्सफोर्ड सेंटर फॉर मिशन स्टडीज में चला गया और कहा, अरे, वानसुक, मैंने अभी आपकी कहानी साझा की है। लेकिन किसी भी मामले में, उन्होंने कई उपचार देखने की सूचना दी।

लेकिन उन्होंने जो उपचार देखे उनमें से एक यह था कि आपको यह पहचानने के लिए वास्तव में डॉक्टर होने की ज़रूरत नहीं है कि यह कुछ नाटकीय था। जब वे प्रार्थना कर रहे थे तो एक बड़ा गण्डमाला तुरंत गायब हो गया। वे गवाह थे।

वहाँ अन्य लोग भी मौजूद थे जो गवाह थे। दूसरा मामला, लूथर ओ'कॉनर का है। वह यूनाइटेड थियोलॉजिकल सेमिनरी में यूनाइटेड मेथोडिस्ट स्टडीज के सहायक प्रोफेसर हैं।

उन्होंने फिलीपींस में एक महिला के लिए प्रार्थना की और उसके पैर में एक न मुड़ने वाली धातु का प्रत्यारोपण हुआ था। वह अपना पैर मोड़ने में सक्षम नहीं थी। आप वह निशान देख सकते हैं जहां इसे लगाया गया था।

खैर, उसने उसके लिए प्रार्थना की और उसे अपने पैर में गर्मी महसूस हुई। और अचानक वह चकित रह गई और वह नीचे बैठ गई, जो आमतौर पर आप सोचेंगे कि वह ऐसा नहीं कर पाती। वह बैठ गई और फिर आप देखते हैं कि वह पूरी तरह से ठीक हो गई।

यदि आप दिखा सकें कि वह अपना पैर मोड़ने में सक्षम थी। अब, मेरे पास यहां चिकित्सीय परिणाम नहीं हैं। मैं आपको यह नहीं बता सकता कि धातु प्रत्यारोपण गायब हो गया या नहीं, लेकिन अगर वह अभी भी वहाँ था, तो यह अब एक मोड़ने योग्य धातु प्रत्यारोपण था क्योंकि वह अपने पैर को मोड़ने में सक्षम थी।

मैंने डैनी मैक्केन से पूछा, क्योंकि हमने तीन गर्मियों तक नाइजीरिया में एक साथ काम किया था, लेकिन वह दशकों से वहां मंत्रालय कर रहे थे। मुझे लगा कि वह मुझे नाइजीरिया से कुछ चश्मदीदों की रिपोर्ट देने वाला है। वह वेस्लेयन मंत्री हैं।

मैं बस आपको यह दिखाने की कोशिश कर रहा हूं कि विभिन्न प्रकार के ईसाई समूहों में इसकी सूचना दी गई है। खैर, डैनी ने कहा, अब मैं आपको उस चीज़ का विवरण दे सकता हूं जो मैंने संयुक्त राज्य अमेरिका में देखी थी जब मैं एक लड़का था। मेरा छोटा भाई तेज़ गर्म पानी वाले टब में गिर गया।

वहां जो बहुत गर्म पानी डाला गया था, उससे वह बहुत बुरी तरह जल गया था। डैनी ने विस्तार से बताया कि उस समय यह कैसे किया जाता था, लेकिन वह इतनी बुरी तरह झुलस गया था कि जब डॉक्टर उसके कपड़े उतारने की कोशिश कर रहे थे, तो उसकी त्वचा फट रही थी। इसलिए, वे उसके छोटे भाई के लिए प्रार्थना कर रहे थे।

और जब वे प्रार्थना कर रहे थे, उसने अचानक देखा कि उसके छोटे भाई ने रोना बंद कर दिया है। और उसने ऊपर देखा और उसने देखा कि उसके छोटे भाई की त्वचा, जो पूरी तरह झुलस गई थी, बहुत बुरी तरह से जल गई थी, अब चमकीली और गुलाबी थी, बिल्कुल नई। डैनी कहते हैं, मुझे यह ऐसे याद है जैसे यह कल की बात हो।

और हां, इसके लिए कई अन्य गवाह भी मौजूद थे। मेरे भाई क्रिस और मैंने कुछ देखा जब मैं अभी भी एक युवा ईसाई था और मेरा भाई क्रिस भी एक युवा ईसाई था। क्रिस ने भौतिकी में पीएचडी की है, जिसे करने में उस समय मेरी रुचि थी।

लेकिन हमने ये देखा. हम दोनों काफी हद तक नये आस्तिक थे। हम एक नर्सिंग होम बाइबल अध्ययन में मदद कर रहे थे और वहाँ बारबरा नाम की एक महिला थी।

और हर हफ्ते बारबरा कह रही थी, काश मैं चल पाती। काश मैं चल पाता. खैर, एक दिन बाइबल अध्ययन के नेता, डॉन ने कहा, मैं इससे थक गया हूँ।

और वह बारबरा के पास चला गया। उसने उसका हाथ पकड़ लिया. उन्होंने कहा, नाज़रेथ के यीशु मसीह के नाम पर, उठो और चलो।

मैं भयभीत हो गया था. यदि आस्था को पूर्वाग्रह कहा जा सकता है, तो इस मामले में मुझ पर इसका आरोप नहीं लगाया जा सकता। मैं उसके चेहरे के भाव से बता सकता था, वह भी भयभीत थी।

यदि यह मनोदैहिक था, तो इसका कारण यह नहीं था कि उसे कोई आस्था थी। ऐसा इसलिए था क्योंकि डॉन ने ऐसा किया था। और मनोदैहिक को इस तरह काम नहीं करना चाहिए।

लेकिन किसी भी स्थिति में, मुझे लगा कि वह असफल होने वाली है। उसके चेहरे के हाव-भाव से मुझे लगा कि उसे लगा कि वह बेहोश हो जाएगी, लेकिन वह उसे कमरे के चारों ओर घुमाता रहा। और तब से, बारबरा चल सकती थी।

अंधापन ठीक हो गया. मैं अभी इसकी कुछ अलग-अलग श्रेणियां बताने जा रहा हूँ। मुझे अंधेपन के ठीक होने की लगभग 350 रिपोर्टें मिलीं।

उनमें से कुछ को मैं नहीं जानता कि उनका मूल्यांकन कैसे किया जाए, लेकिन उनमें से कुछ बहुत भरोसेमंद हैं। पुनः, उनमें से कुछ डॉ. रेक्स गार्डनर से। लेकिन मैं कुछ खातों पर ध्यान केंद्रित करने जा रहा हूँ जो अन्य स्थानों पर प्रकाशित नहीं हुए हैं, ऐसे लोगों के खाते जिन्हें मैं सीधे तौर पर जानता हूँ जिन्होंने इसे देखा है।

2004 में, केंब्रिज यूनिवर्सिटी में ट्रांसफॉर्मिंग बिजनेस इंस्टीट्यूट के निदेशक फिलॉट मैकलॉघलिन ने उत्तरी भारत में धुंधली आंखों वाले एक अंधे व्यक्ति के लिए प्रार्थना की। और वह आदमी तुरन्त

चंगा हो गया। यह केवल प्लिंट ही नहीं था जो वहां था बल्कि कुछ अन्य प्रत्यक्षदर्शी भी थे जिन्होंने इसके बारे में अपना विवरण मेरे साथ साझा किया है।

यह वह क्षेत्र है जहाँ मनुष्य ईश्वर की स्तुति करते हुए गोल-गोल दौड़ता था। और यहीं पर वह अपनी कहानी बता रहे थे. मेरा मानना है कि यह एक अनाथालय या कुछ और रहा होगा, लेकिन वह जहां भी था, वह एक कहानी सुना रहा था और वह रोने लगा।

और वहां मौजूद अमेरिकियों में से एक ने कहा, आप क्यों रो रहे हैं? उन्होंने कहा क्योंकि मैंने हमेशा बच्चों को सुना है, लेकिन मैंने पहले कभी उनके चेहरे नहीं देखे हैं। और इसलिए यहां उनके साथ कुछ अमेरिकी भी हैं। डॉ. बुंगा शिबाकु काटो, मेरे एक मित्र, हमने जातीय सुलह के मुद्दों पर एक साथ काम किया।

खैर, हम इसी पर काम कर रहे थे। वह बुनया, कांगो डीआरसी में शालोम विश्वविद्यालय के अध्यक्ष हैं। लेकिन क्योंकि मैं इस समय चमत्कारों पर किताब लिख रहा था, मैंने उससे पूछा, अच्छा, क्या तुमने कभी कुछ देखा है? उन्होंने कहा, अरे हां.

वर्षों पहले, जब मैं बहुत छोटा था, मैं और मेरे कुछ दोस्त एक गाँव में प्रचार कर रहे थे और वे हमारे पास लगभग साठ साल की एक महिला को लेकर आये जो अंधी थी और हमसे पूछा कि क्या हम उसके लिए प्रार्थना करेंगे। कहा कि किसी और चीज से उसे मदद नहीं मिली। चिकित्सा सहायता काम नहीं आई।

ओझाओं और पारंपरिक चिकित्सकों ने मदद नहीं की। क्या आप कुछ भी कर सकते हैं? उन्होंने कहा कि हमने पहले कभी ऐसा प्रयास नहीं किया। यह उनकी चर्च परंपरा का हिस्सा नहीं था, लेकिन हम इसलिए आए ताकि भगवान के नाम की महिमा हो सके।

तो, आइए बस प्रार्थना करें और देखें कि वह क्या कर सकता है। उन्होंने लगभग दो मिनट तक प्रार्थना की और वह चिल्लाने लगी, मैं देख सकती हूँ, मैं देख सकती हूँ और चारों ओर नाचने लगी। वह जीवन भर दृष्टिहीन रहीं।

मेरे छात्रों में से एक, कैमरून का एक बैपटिस्ट, ने अपनी डॉक्टर ऑफ मिनिस्ट्री की डिग्री उस मदरसे से हासिल की, जहां मैं पढ़ाता था। पॉल मोकाके, उन्होंने अंधी आँखों वाले किसी व्यक्ति के लिए प्रार्थना की और अंधी आँखें खुली थीं। खैर, उनके पास कई अलग-अलग चमत्कारों की कहानियाँ थीं।

तो, यह वह नहीं था जो उन्होंने मेरे ध्यान में लाया था, बल्कि मेरे अन्य छात्रों में से एक, योलान्डा नाम का एक अफ्रीकी अमेरिकी छात्र, कैमरून का दौरा करने के लिए आया था, उसने इसे देखा। उसने हमें इसके बारे में बताया. तो, मैंने पॉल से पूछा और उसने कहा, हाँ, ऐसा हुआ।

हमारे पास इथियोपिया में गेब्रियल वोल्दु के अलावा कई अन्य खाते भी हैं। हालाँकि, मैं ग्रेग स्पेंसर के खाते पर जा रहा हूँ। ग्रेग स्पेंसर धब्बेदार अधःपतन के कारण अंधा हो रहा था।

मैक्यूलर डिजनरेशन कोई ऐसी चीज़ नहीं है जो आम तौर पर अपने आप उलट जाती है। तो, वह अंधा हो रहा था। इस बिंदु पर वह पहले से ही कानूनी रूप से अंधा था और उसे विकलांगता पर डाल दिया गया था और उसे अंधे व्यक्ति के रूप में कार्य करने के लिए कुछ प्रशिक्षण प्राप्त हुआ था।

वह एकांतवास में गया जहाँ वह अपने मन के उपचार के लिए प्रार्थना कर रहा था। वह अपनी दृष्टि के ठीक होने के लिए प्रार्थना नहीं कर रहा था, बल्कि भगवान ने उसे एक अतिरिक्त लाभ दिया। भगवान ने न केवल उसके मन को ठीक किया, बल्कि जब उसने अपनी आँखें खोलीं, तो उसे एहसास हुआ कि वह देख सकता है।

उसका परीक्षण किया गया। वे सहमत थे कि वह देख सकता है, लेकिन सामाजिक सुरक्षा प्रशासन ने उससे कहा था, ठीक है, तुम्हें काम करने की ज़रूरत नहीं है। आप विकलांगता पर हैं।

यह संयुक्त राज्य अमेरिका में कुछ ऐसा है जहाँ हम उन लोगों की देखभाल करते हैं जिनकी देखभाल की आवश्यकता होती है। उन्हें एहसास हुआ कि वह देख सकते हैं, लेकिन वे आसानी से सहमत नहीं हुए क्योंकि उन्होंने कहा, नहीं, यह धोखाधड़ी रही होगी। आप बस देख न पाने का नाटक कर रहे होंगे क्योंकि मैक्यूलर डिजनरेशन दूर नहीं होता है।

लेकिन एक साल के अध्ययन के बाद, सभी डॉक्टरों से परामर्श करने के बाद, उन्होंने अंततः एक रिपोर्ट जारी की और उन्होंने कहा, ठीक है, उनकी दृश्य तीक्ष्णता में उल्लेखनीय वापसी हुई है और इसलिए उन्हें अब विकलांगता नहीं मिलेगी। उसे काम पर वापस जाने की ज़रूरत है। मैं उस चीज़ का कुछ अन्य विवरण देने जा रहा हूँ जिसे आम तौर पर मनोदैहिक नहीं माना जाता है।

आमतौर पर, अंधेपन का उपचार मनोदैहिक नहीं है। ऐसा बहुत ही कम होता है कि कोई व्यक्ति मनोदैहिक रूप से अंधा हो, विशेषकर मोतियाबिंद या मैक्यूलर डिजनरेशन के मामलों में। और हमारे पास उस प्रकार की परिस्थितियों में लोगों के ठीक होने के वृत्तांत हैं।

मृतकों को जीवित करना आम तौर पर लोगों को मनोदैहिक रूप से मृत नहीं माना जाता है। अब किसी व्यक्ति को गलत तरीके से मृत घोषित किया जा सकता है। कभी-कभी यह गलत मान लिया जाता है कि कोई मर गया है, लेकिन हम यह नहीं मानते कि यह बहुत सामान्य आधार पर होता है क्योंकि अगर ऐसा होता, तो हम बहुत से लोगों को समय से पहले ही दफन रहे होते।

तो, आप जानते हैं, मुझे नहीं पता कि ऐसा कितनी बार होता है, लेकिन आप इसकी उम्मीद नहीं करेंगे जब तक कि हम बहुत सारे लोगों को समय से पहले दफन न कर दें। आप ऐसा होने की उम्मीद नहीं करेंगे, मान लीजिए, जैसा कि आप जानते हैं, 10 में से एक व्यक्ति किसी ऐसे व्यक्ति को जानता होगा जिसके साथ ऐसा हुआ था या जिसने इसे होते देखा था। और फिर भी जब मैंने आसपास पूछना शुरू किया तो मुझे यह पहले नहीं पता था क्योंकि मैंने नहीं पूछा था, लेकिन जब मैंने अपनी पत्नी और मेरे बीच पूछना शुरू किया, तो हम कम से कम 10 लोगों को जानते थे और वे वे लोग थे जिन्हें हम काफी अच्छी तरह से जानते थे।

हम इसे इससे आगे बढ़ा सकते हैं, लेकिन हम ऐसे 10 लोगों के बारे में जानते हैं जिन्होंने इस तरह के पुनर्जीवन को देखा या अनुभव किया है। अब, यदि आप 10 में से एक मौका कहते हैं कि हम किसी को जानते हैं, तो क्या संभावनाएँ हैं, जो मुझे लगता है कि बहुत उदार है क्योंकि संभवतः संभावनाएँ उससे कम हैं जब तक कि हम वास्तव में बहुत से लोगों को समय से पहले दफन नहीं कर रहे हैं। यदि संभावना 10 में से एक मौका है, तो हमारे लिए 10 लोगों के बारे में जानने के लिए, संभावना कुछ इस तरह होगी जैसे कि 10 अरब में एक, 10वीं शक्ति में 10 में से एक।

आप जानते हैं, बाधाओं की सटीक गणना करने का कोई तरीका नहीं है, लेकिन मैं जो इंगित करने की कोशिश कर रहा हूँ वह यह है कि यह शायद सिर्फ एक संयोग नहीं है कि जिन मंडलियों में लोग प्रार्थना करते हैं, वहाँ कभी-कभी इस प्रकार की चीजें होती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि वे ऐसे घेरे में एकत्रित होते हैं जहाँ लोग प्रार्थना करते हैं। और मैं ही इस पुस्तक को लिखने वाला व्यक्ति बन गया।

तो यह इसे और भी अधिक असंभव बना देता है यह एक संयोग है। पूरे इतिहास में हमारे पास ऐसी कई रिपोर्टें हैं। हमारे पास यह रिपोर्ट चर्च फादर्स में है।

कई बार इरेनायस चर्च के इस एक हिस्से के बारे में बात करता है, वह उन लोगों की निंदा करता है जिनके बारे में उसका कहना है कि वे विद्वतापूर्ण हैं और झूठे सिद्धांत रखते हैं। वह कहते हैं, लेकिन चर्च का यह दूसरा हिस्सा भी है जो सच्चे चर्च का हिस्सा है और उन्होंने कई उत्थान की सूचना दी है। इसलिए परमेश्वर सच्चे चर्च में स्पष्ट रूप से कार्य कर रहा है।

जॉन वेस्ले, एक अनुभव है जो उनकी पत्रिका में उभरता हुआ प्रतीत होता है। तो यह प्रत्यक्ष रूप से दर्ज किया गया है जब यह 25 दिसंबर, 1742 को हुआ था। उन्होंने श्री मायरिक के लिए प्रार्थना की जो मृत प्रतीत हो रहे थे और वह पुनर्जीवित हो गए।

हमारे पास डॉक्टरों की रिपोर्ट है। इनमें से एक डॉ. चाउन्सी क्रैन्डल का है, जो वेस्ट पाम बीच में हृदय रोग विशेषज्ञ हैं। वहाँ जेफ मार्किन नाम के एक व्यक्ति ने अस्पताल में अपना चेकअप कराया।

जब तक डॉ. क्रैन्डल को बुलाया गया तब तक वह 40 मिनट पहले मर चुका था। यह मृत अर्थात् सपाट रेखा वाला है। उसके दिल की धड़कन नहीं थी।

वे उसे पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहे थे, उसे पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उसके दिल की धड़कन नहीं थी और वे कुछ नहीं कर सकते थे। इसलिए, हृदय रोग विशेषज्ञ के रूप में स्पष्ट रूप से प्रमाणित करने के लिए डॉ. क्रैन्डल को बुलाया गया और उन्होंने इसे प्रमाणित किया। वह अस्पताल के दूसरे हिस्से में अपने दौरे पर वापस जा रहा था जब उसे महसूस हुआ कि पवित्र आत्मा ने उसे वापस जाने और इस आदमी को एक और मौका देने के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रेरित किया।

अब, यह स्पष्ट रूप से बहुत दुर्लभ है। आम तौर पर लोगों को दूसरा मौका नहीं मिलता है, लेकिन वह वापस चला गया और उसका एक सहकर्मी उसके साथ चला गया और उसने उस आदमी के

लिए प्रार्थना की और कहा, 'भगवान, अगर आप चाहते हैं कि इस आदमी को आपको जानने का एक और मौका मिले, तो मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप' मैं उसे मरे हुआओं में से जिलाऊंगा। नर्स उसे ऐसे घूर रही थी जैसे वह पागल हो।

लेकिन डॉ. क्रैन्डल अपने सहकर्मी की ओर मुड़े और बोले, इसे एक बार और चप्पू से झटका दो। उन्होंने अभी तक उससे सारा उपकरण नहीं हटाया था। ओह, नर्स शव को मुर्दाघर के लिए तैयार करना शुरू कर रही थी।

और दूसरा डॉक्टर ऐसा था, हम सभी सहमत थे कि वह मर चुका है। मेरा मतलब है, आप उसके हाथों को देख सकते हैं, डॉ. क्रैन्डल ने मुझसे कहा। उसकी उंगलियां पहले से ही सायनोसिस के कारण काली थीं, लेकिन एक बार उसने उसे चप्पू से झटका दिया और कुछ उल्लेखनीय घटित हुआ, कुछ ऐसा जो आम तौर पर किसी व्यक्ति के एक मिनट के लिए फ्लैटलाइन में पड़े रहने के बाद भी नहीं होता है।

तुरंत, उस आदमी की दिल की धड़कन सामान्य हो गई और नर्स चिल्लाने लगी, डॉ. क्रैन्डल, डॉ. क्रैन्डल, आपने क्या किया है? बिना ऑक्सीजन के छह मिनट तक, एक व्यक्ति के मस्तिष्क को अपूरणीय क्षति होनी चाहिए, यदि उन्हें पुनर्जीवित किया जा सके। लेकिन यह शनिवार था और सोमवार को डॉ. क्रैन्डल अस्पताल लौट आए। वह उस आदमी से मिलने अंदर गया और वे बातें कर रहे थे।

उस व्यक्ति के मस्तिष्क को कोई क्षति नहीं हुई और वह ठीक हो गया। और यह जेफ मार्किन के बपतिस्मा में भाग लेने वाले डॉ. क्रैन्डल की तस्वीर है। उसके पास एक और मौका था और उसे प्रभु का पता चल गया।

डॉ. सीन जॉर्ज, ऑस्ट्रेलिया में एक डॉक्टर हैं। साथी डॉक्टरों की मौजूदगी में उनकी मौत हो गई। उन्हें दिल का दौरा पड़ रहा था।

उन्होंने खुद की जांच की और उन्हें पुनर्जीवित करने की कोशिश में उन्होंने 55 मिनट बिताए। वह उनके सहकर्मी थे। वह उनके लिए अनमोल था।

लेकिन आखिरकार, उसके अंग काम करना बंद कर रहे थे। वे कुछ नहीं कर सकते थे। उन्होंने उसकी पत्नी से, जो उसके साथ थी, कहा, तुम्हें अंदर जाकर अलविदा कहना होगा और फिर हम उसे जीवन रक्षक प्रणाली से हटा देंगे क्योंकि कोई उम्मीद नहीं है।

उसने घुटने टेक दिए और प्रार्थना की कि भगवान उसे बहाल कर दे। तुरंत ही उसका दिल धड़कने लगा। उनके एक सहकर्मी ने बाद में कहा कि यह सबसे बुरी चीज़ है जिसकी मैं कल्पना कर सकता हूँ क्योंकि उनका दिल धड़कने लगता है।

देर-सवेर, उसे जीवन रक्षक प्रणाली से हटाना होगा क्योंकि इस समय, उसका मस्तिष्क एक सब्जी बन चुका है। मेरा मतलब है, ऐसा कोई रास्ता नहीं है कि उसे बहाल किया जा सके। खैर,

उनकी रिकवरी पूरी होने में थोड़ा समय लगा, लेकिन उनके मस्तिष्क को कोई क्षति नहीं हुई और वह फिर से चिकित्सा का अभ्यास कर रहे हैं।

उन लोगों के लिए जो कहते हैं कि ये चीज़ें संयुक्त राज्य अमेरिका में कभी नहीं होंगी, डॉ. डेबोरा वॉटसन, न्यू टेस्टामेंट में मेरे सहकर्मी थे, न्यू टेस्टामेंट में मेरे सहकर्मियों में से एक, एक सेमिनरी में जहां मैं पढ़ाता था। डेबी एक बैपटिस्ट मंत्री के घर में पली बढ़ी। उनके पिता एक बैपटिस्ट मंत्री थे।

उसकी छोटी बहन, जब वह बच्ची थी, एक बासीनेट में थी जो बहुत ऊंचाई पर बैठी थी। किसी तरह वह हिल गई और उसकी छोटी बहन बहुत ऊंचाई से गिर गई। वह अपने सिर के पीछे कंक्रीट के फर्श पर गिरी।

वे उसकी ओर दौड़े, कोई आवाज़ नहीं, कोई हलचल नहीं। पिता ने उसे उठाया। ऐसा लगा जैसे उसकी खोपड़ी का पिछला हिस्सा कुचल दिया गया हो।

वे पूरे रास्ते प्रार्थना करते हुए उसे डॉक्टर के पास ले गए। डॉक्टर उस पर काम करने के लिए उसे एक तरफ ले गया और फिर कुछ मिनटों के बाद बाहर आया और बोला, आपने कहा कहा कि आपको लगा कि उसकी खोपड़ी कुचल दी गई है? उसने अपना हाथ उसकी गर्दन के पीछे और सिर के पीछे रख दिया। कुछ भी गलत नहीं था।

तब से वह ठीक थी। जो तस्वीर मैंने दिखाई वह उनकी तस्वीर है जब वे थैंक्सगिविंग पर एक परिवार के रूप में एक साथ थे। वह अब 40 वर्ष की है, कम से कम आखिरी बार मैंने जाँच की थी।

हमारे पास भारत से धन जुटाने के कई दावे हैं। एक शोध प्रबंध में निशि जनजातीय लोगों के बीच एक जन आंदोलन की शुरुआत, ईसा मसीह में विश्वास करने वाले लोगों के बारे में बात की गई, जब निशि जनजातीय लोगों के बीच बहुत कम ईसाई थे, या यदि कोई थे, तो बहुत कम, एक सरकारी अधिकारी थे जिसका बेटा मर रहा था और विभिन्न देवताओं के लिए बलिदान विफल हो गए थे। कोई चिकित्सीय सहायता काम नहीं आई।

फार्मासिस्ट ने सुझाव दिया, आप ईसाई भगवान यीशु से प्रार्थना करने का प्रयास क्यों नहीं करते? ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने लाज़रस नाम के किसी व्यक्ति को मृतकों में से जीवित किया था। इसलिए, अधिकारी वापस चला गया, और जहाँ तक वे बता सकते थे, उसका बेटा अब मर चुका था। उन्होंने कहा, यीशु, आप, ईसाई भगवान जिन्होंने लाज़र को मृतकों में से जीवित किया, यदि आप मेरे बेटे को जीवित करते हैं तो मैं आपका अनुसरण करूंगा।

अब, मैं यह दिखावा नहीं कर रहा हूँ कि यह कुछ ऐसा है जो हमेशा काम करेगा, ऐसा हमेशा होता है, लेकिन उस मामले में उन्होंने यही कहा था। उनके बेटे का पालन-पोषण हुआ। वह आस्तिक बन गया।

इसने निशि आदिवासी लोगों के बीच एक जन आंदोलन शुरू किया, और इसी को इस लोगों के समूह के बीच सुसमाचार के प्रसार के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, और यह हाल के दिनों में है। दो पश्चिमी समाजशास्त्री, दोनों ईसाई थे, वे पेंटेकोस्टल नहीं हैं, लेकिन वे वैश्विक पेंटेकोस्टलवाद का अध्ययन कर रहे थे। उन्होंने एक समुदाय के स्थानीय लोगों का साक्षात्कार लिया, जिसमें एक हिंदू गांव के बुजुर्ग भी शामिल थे, जहां यह बताया गया कि एक महिला बिना सांस या नाड़ी के मृत घोषित होने के बाद जीवित हो गई थी।

एक अन्य मामले में, एक भारतीय पादरी ने एक लड़की के लिए प्रार्थना की जो नाक से कीड़े निकलने के कारण मर गई थी। संभवतः उस मामले में मौत गलत निदान नहीं थी। संभवतः वह गंभीर रूप से मर चुकी थी।

वह जीवित हो उठी। उसने अपने जीवन के बाद के अनुभव के बारे में बताया। स्थानीय समाचार पत्रों ने इस कहानी को कवर किया, इसलिए यह स्थानीय समुदाय में प्रसिद्ध थी।

मुंबई में एक पादरी ने मेरे साथ एक रिट्रीट सेंटर में हुई घटना का विवरण साझा किया। यह एक रिट्रीट सेंटर सिर्फ ईसाइयों के लिए नहीं था, यह सभी के लिए था, और वे वहां एक चर्च रिट्रीट कर रहे थे, लेकिन वहां अन्य परिवार भी थे। उन्हें एक हिंदू लड़का, विक्रम, एक तालाब के तल पर पड़ा हुआ मिला।

और इसलिए, उनमें से एक, एक नर्स, और एक अन्य, एक मध्यस्थ, लड़के को अस्पताल ले जाने की कोशिश करने के लिए ले गए, जबकि समूह के बाकी लोग पीछे रह गए और उसके लिए प्रार्थना की। खैर, वे अस्पताल पहुंचे। पहले डॉक्टर ने कहा कि यह बच्चा मर चुका है।

मैं कुछ भी नहीं कर सकता। मैं इससे निपट नहीं सकता। वे उसे दूसरे डॉक्टर के पास ले गए और उस डॉक्टर ने लड़के को पुनर्जीवित करने की पूरी कोशिश की, लेकिन कुछ नहीं किया जा सका।

इसलिए, डेढ़ घंटे बाद, वे वापस आ रहे हैं और वे विक्रम को वापस वहीं लाते हैं जहां बाकी लोग प्रार्थना कर रहे हैं और विक्रम अब जीवित है। और दरअसल विक्रम की ये तस्वीरें जो आपने देखीं और अब देख रहे हैं, ये उनके पुनर्जीवित होने के बाद की हैं। कभी-कभी ठंडे पानी में डूबने की स्थिति में, डूबने के बाद व्यक्ति काफी समय तक जीवित रह सकता है, लेकिन फिर भी व्यक्ति को पुनर्जीवित होने और पूरी तरह से ठीक होने में कुछ समय लगता है।

वह पूरी तरह से ठीक हो गया था और पानी ठंडा नहीं था। यह ठंडे पानी में डूबना नहीं था, इसमें कोई बर्फ नहीं थी, या ऐसा कुछ भी नहीं था। उन्होंने कहा कि उन्होंने यीशु का नाम सुना और फिर उनका उद्धार हो गया।

उनके माता-पिता, जो हिंदू थे, जानते थे कि उन्होंने यह नाम पहले कभी नहीं सुना था। और यहां विक्रम और उनके परिवार की ईसाइयों की पूजा सेवा में शामिल होने की कुछ तस्वीरें हैं। एक बहन है जिसका मैंने फिलीपींस में साक्षात्कार लिया था।

1983 में उन्हें लीवर कैंसर का पता चला, लेकिन वे इलाज का खर्च उठाने में असमर्थ थीं। मुझे लगता है कि पूरे समय उसके पास शायद एक एस्पिरिन थी। अगले वर्ष उसे मरने के लिए अस्पताल ले जाया गया।

उसका पेट फूल गया था। उसे मृत घोषित कर दिया गया और मुर्दाघर भेज दिया गया। एक घंटे और 45 मिनट बाद मुर्दाघर में, एक बैपटिस्ट मंत्री अपने एक मित्र के साथ प्रार्थना कर रही थी।

और मैंने कहा, बैपटिस्ट मंत्री किस लिए प्रार्थना कर रहे थे? क्या वह प्रार्थना कर रही थी कि तुम पुनर्जीवित हो जाओ या क्या? उसने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह इसके लिए प्रार्थना कर रही थी, लेकिन मैं वास्तव में नहीं जानती कि वह किस लिए प्रार्थना कर रही थी। हम मर गए। तो, कुछ लोग पोस्टमार्टम अनुभव की रिपोर्ट करते हैं।

इस मामले में, मेरे दोस्त ने कहा, मुझे कुछ भी अनुभव नहीं हुआ। ऐसा लग रहा था जैसे मैं सो रहा था और फिर जाग गया। लेकिन आज के मामले में वह दोबारा जिंदगी में लौट आई।

उसका पेट अब सूजा हुआ नहीं था। अब उसे कैंसर नहीं था। और जिस डॉक्टर ने उसे बताया था कि वह मरने वाली है, उसे शुरू में विश्वास नहीं हुआ कि यह वह है। और जब उसे पता चला कि यह वही है, तो डॉक्टर बदल गया।

अगला खाता जो मुझे प्राप्त हुआ वह मेरे एक पड़ोसी से था। मेरा पड़ोसी इंडोनेशिया से है। और जो विवरण उसने मुझे दिया वह उसके एक घनिष्ठ मित्र का था। मैं इसकी कुछ तस्वीरें दिखाने जा रहा हूं, लेकिन अगर आप खून के दृश्य को संभालने में अच्छे नहीं हैं तो कृपया इस दौरान अपनी आंखें बंद कर लें। मूल दृश्य वास्तव में रक्तरंजित था, लेकिन शरीर हिल गया था।

जैसा कि आप देख सकते हैं, डोमिंग्वेज़ की गर्दन इस तरह से काटी गई थी कि आम तौर पर कोई व्यक्ति जीवित नहीं रह सकता था। और जो लोग उसके शव को ले जा रहे थे वे उसके शव को ऐसे ले जा रहे थे मानो उन्हें उसके जीवित होने की उम्मीद ही न हो। अब ये तो वो तस्वीरें हैं जो न्यूज़ से ली गई हैं।

उसे चिकित्सीय हस्तक्षेप की आवश्यकता थी, लेकिन डॉक्टरों ने शुरू में सोचा कि वह मर चुका है, लेकिन उसे स्वर्ग का दर्शन हुआ था। प्रभु ने उसे वापस शरीर में भेज दिया। और इसलिए, जब डॉक्टरों को एहसास हुआ कि वह जीवित है, तो उन्होंने उसकी गर्दन को वापस सिल दिया।

उन्होंने इसमें बहुत अच्छा काम किया। उसके पास अभी भी दिखाने के लिए निशान है, लेकिन वह जीवित है। मैं इनमें से कुछ विवरण एक विद्वान सम्मेलन में दे रहा था क्योंकि पश्चिम में विद्वान अक्सर इन बातों पर विश्वास नहीं करते हैं।

और हम सुसमाचारों या कृत्यों में चमत्कार की कहानियों के पास आते हैं और उनके साथ ऐसे व्यवहार करते हैं मानो वे समस्याग्रस्त हों। इसलिए, मैं यह सुझाव दे रहा था कि यदि हम बहुसंख्यक दुनिया के कुछ वृत्तांतों को अधिक सुनें, तो हम कम से कम इसे देखने के एक अलग तरीके के बारे में कुछ चीजें सीख सकते हैं। जब मैंने समाप्त किया, तो जिन लोगों के पास प्रश्न या

टिप्पणी थी उनमें से एक प्रोफेसर अयोदेजी अदेवुया थे, हम उन्हें अयो कहते हैं। [आप Biblealearning.org पर आयो और 2 कुरिन्थियों पर उसकी उत्कृष्ट शिक्षा देख सकते हैं]

वह पीछे खड़ा हुआ और उसने कहा, ठीक है, वास्तव में, वह अब अमेरिका में प्रोफेसर है, लेकिन वह नाइजीरिया से है। उन्होंने कहा, जब 1981 में मेरे बेटे का जन्म हुआ तो उसे जन्म के समय ही मृत घोषित कर दिया गया। हमने आधे घंटे तक उनके लिए प्रार्थना की। मूलतः, मैंने 20 मिनट लिखे थे। उन्होंने कहा, नहीं, नहीं, यह 30 मिनट है। लेकिन उन्होंने उसके लिए आधे घंटे तक प्रार्थना की और उनका बेटा जीवित हो गया। उनके बेटे के मस्तिष्क को कोई क्षति नहीं हुई थी और उनके बेटे ने अब लंदन विश्वविद्यालय में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री पूरी कर ली है।

एक अन्य मित्र वह है जिसके साथ मैंने नाइजीरिया में तीन गर्मियों तक काम किया। और वह वहां एक मंत्रालय का अनुसंधान अधिकारी है। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में बहुत सारे मंत्रालय किए और देश के विभिन्न हिस्सों में बहुत सारे शोध किए। तो, मैंने सोचा, ठीक है, अब मैं चमत्कारों की इस पुस्तक पर काम कर रहा हूं, मुझे लियो से पूछना चाहिए। तो, मैं बस कुछ अफ्रीकी मित्रों से पूछ रहा था, क्या आपके पास कोई खाता है? लियो, क्या आपके पास कोई खाता है? और लियो ने कहा, ठीक है, बहुत ज्यादा नहीं।

इसलिए, उसने मुझे चमत्कारों की केवल सात पेज की रिपोर्टें भेजीं जिनके बारे में वह सीधे तौर पर जानता था। और उनमें से एक उत्तरी नाइजीरिया के एक गाँव में था जहाँ वह शोध कर रहा था। उसके मेज़बान के पड़ोसियों ने उसे अपना मृत बच्चा सौंप दिया, कम से कम जहाँ तक कोई बता सकता था, बच्चा मर चुका था। उन्होंने कहा, और वह बच्चे को एक तरफ ले गए और कुछ घंटों तक प्रार्थना की, और फिर अंत में बच्चे को जीवित माता-पिता को सौंप दिया।

दूसरा उदाहरण, कोई ऐसा व्यक्ति है जिसे मैं उसी मंत्रालय से जानता था। अब उसके मामले में, मैंने उससे पूछने के बारे में सोचा भी नहीं था, लेकिन कुछ अन्य लोगों को मैं जानता था, जिन्होंने उल्लेख किया था, ओह, आपको उससे पूछना चाहिए क्योंकि उसके साथ ऐसा हुआ था।

टिमोथी ओलानोडे। मैंने उसके निशान को देखा था, लेकिन मैंने उससे कभी नहीं पूछा कि यह किस बारे में है। और हम चमत्कारों के बारे में बात नहीं कर रहे थे, इसलिए मैंने उनसे कभी नहीं पूछा, क्या आपने कोई चमत्कार देखा है? लेकिन कुछ अन्य लोगों ने मुझे सूचित किया, इसलिए मैंने उन्हें लिखा और उन्होंने मुझे इसके बारे में बताया।

1985 में, वह एक गंभीर कार दुर्घटना का शिकार हो गये। और वहाँ दो लोग थे, प्रत्येक वाहन से एक, जिसे मृत घोषित कर दिया गया। उनके वाहन में उनके साथ मौजूद दूसरे व्यक्ति के पैर कट गए, लेकिन उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस को कोई नाड़ी या दिल की धड़कन नहीं मिली। वे उसे अस्पताल ले गये. अस्पताल से उसे मोर्चरी भेज दिया गया.

सुबह करीब 3 बजे मुर्दाघर में, उन्होंने उसे हिलते हुए पाया और उसे वापस अस्पताल भेज दिया। वह लगभग आठ घंटे तक इसी अवस्था में रहा। अब डॉक्टरों ने मान लिया कि उसके मस्तिष्क को गंभीर क्षति होगी।

उसे चिकित्सा सहायता की आवश्यकता थी। रिहा होने से पहले वह तीन सप्ताह तक अस्पताल में थे, लेकिन वह जीवित थे और उनके मस्तिष्क को स्थायी क्षति नहीं हुई थी। और सर्जन, जो वहां मेडिकल स्कूल के प्रोफेसर भी थे, ने कहा कि चमत्कार के अलावा इसे समझाने का कोई अन्य तरीका नहीं था।

और टिमोथी अब नाइजीरियाई मिशन आंदोलन में एक नेता हैं। और मैंने तीन गर्मियों तक पढ़ाया और उसे बहुत अच्छी तरह से जानता हूं। वह इस समय एक एंग्लिकन पादरी भी हैं।

अब, आप जानते हैं, आप कह सकते हैं, ठीक है, शायद अगर आप हर मरने वाले के लिए प्रार्थना करें, तो कभी-कभार आप पाएंगे कि कोई न कोई जीवन में वापस आ जाएगा। इसलिए कभी-कभी मैंने लोगों से पूछा, मैंने लियो से पूछा, क्या आपने कभी किसी और के उत्थान के लिए प्रार्थना की? उन्होंने कहा, उनके मामले में, हाँ, एक बार। मैंने अपने सबसे अच्छे दोस्त के लिए प्रार्थना की जो मर गया और वह फिर से जीवित नहीं हुआ।

लेकिन दो में से एक भी उतना बुरा नहीं है। मेरा मतलब है, जब एक गांव में सुसमाचार दांव पर लगा था, उस समय वह व्यक्ति वापस आ गया। मैंने हृदय रोग विशेषज्ञ चाउन्सी क्रैन्डल से पूछा।

उन्होंने कहा, हां, उससे पहले एक बार मेरे अपने बेटे की ल्यूकेमिया से मौत हो गई थी। और यह विनाशकारी था। मैंने प्रार्थना की कि वह वापस न आये।

लेकिन मैंने दृढ़ निश्चय किया कि चाहे कुछ भी हो, मैं ईश्वर पर भरोसा करूंगा, क्योंकि ईश्वर हमारे विश्वास के योग्य है, चाहे वह कुछ ऐसा करे जो हम चाहते हैं या नहीं। और इसीलिए जब मुझे लगा कि आत्मा ने मुझे किसी और के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रेरित किया तो मैं तैयार हो गया। उस स्थिति में, आत्मा ही सीधे तौर पर उसे ऐसा करने के लिए प्रेरित कर रही थी।

अब, अगले सत्र में, मैं आपको कुछ और विवरण देने जा रहा हूँ। ये खाते वे खाते हैं जिन्हें मैं अपने परिवार, अपने रिश्तेदारों और विशेषकर अपनी पत्नी के परिवार से जानता हूँ। मैं तुम्हें अपनी ओर से एक दे सकता हूँ, लेकिन यह कुछ ऐसा है जो मेरे भाई को पता है न कि कुछ प्रत्यक्ष है।

तो, बस इतना ही कहना है, यह शायद संयोग से कहीं अधिक है कि ये ऐसे मंडल हैं जहां सुसमाचार के लिए या आत्मा की प्रत्यक्ष अगुवाई के साथ, भगवान ने किसी को ऊपर उठाया। हम अगले सत्र में इसके बारे में अधिक बात करेंगे।

यह एक्ट्स की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 4 है, चमत्कारों की विश्वसनीयता।